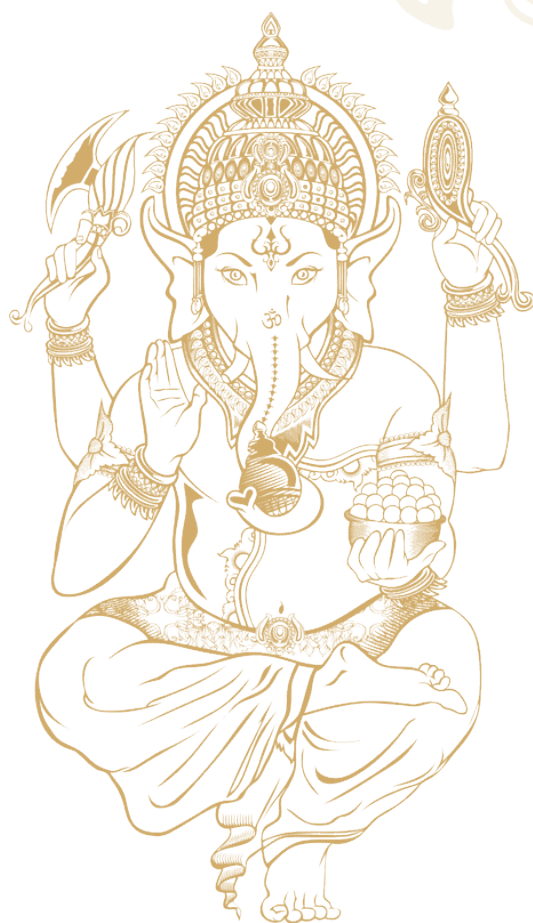




Shreya

03 Jan 2015

Model: Numerology-Report

Order No: 119232201

अंक ज्योतिष फल

Model: Numerology-Report

Order No: 119232201

Date: 26/08/2025

नाम	Shreya
जन्म तिथि	03/01/2015
मूलांक	3
भाग्यांक	3
नामांक	8
मूलांक स्वामी	गुरु
भाग्यांक स्वामी	गुरु
नामांक स्वामी	शनि
मित्र अंक	6, 9, 3
शत्रु अंक	4, 8
सम अंक	1, 2, 5, 7
मुख्य वर्ष	2028,2037,2046,2055,2064,2073,2082,2091
शुभ आयु	13,22,31,40,49,58,67,76
शुभ वार	मंगल, शुक्र, गुरु
शुभ मास	मार्च, जन, सित
शुभ तारीख	3, 12, 21, 30
शुभ रत्न	पुखराज
शुभ उपरत्न	सुनहला, पीला हकीक
अनुकूल देव	विष्णु
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	पीत
मंत्र	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः
शुभ यंत्र	मंगल यंत्र

8	3	10
9	7	5
4	11	6

Vedic Wisdom Path

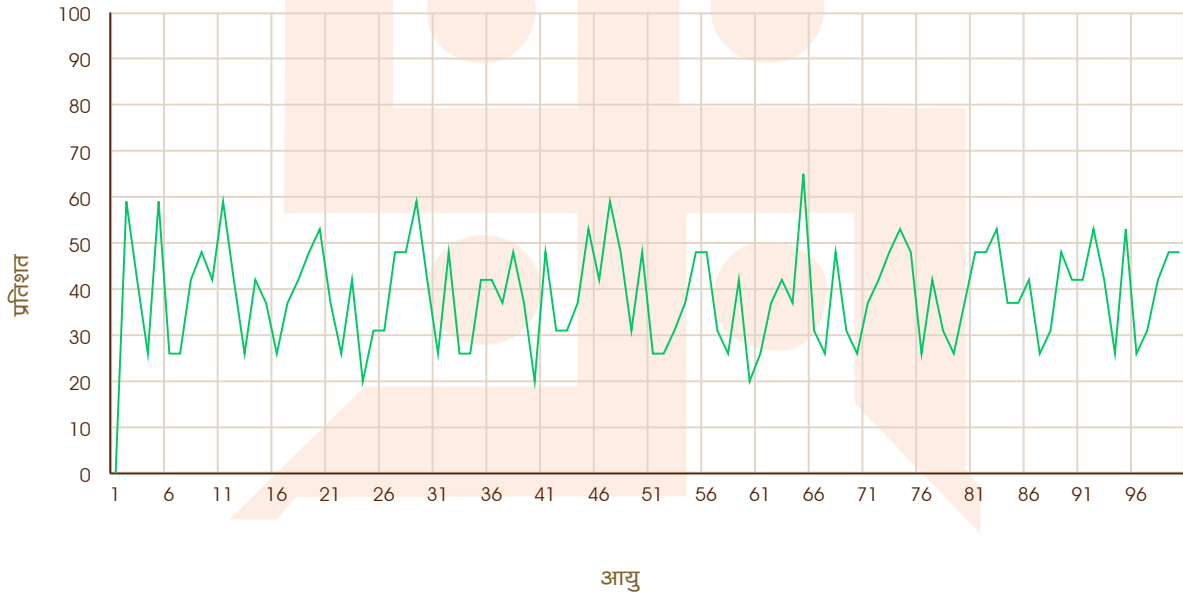
Hyderabad

9492523219

spvedicgyan@gmail.com

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंकों से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2028,2037,2046,2055,2064,2073,2082,2091

शुभ आयु 13,22,31,40,49,58,67,76

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक तीन होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक तीन होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह है। बृहस्पति या गुरु ग्रह के प्रभाववश आप अनुशासन के मामले में काफी कठोर रहेंगी तथा अपने अधिनस्थों से सख्ती से कार्य लेंगी। काम में ढील या शिथिलता बर्दाश्त नहीं करेंगी। इस कारण कभी कभी आपके मातहत ही आपसे शत्रुता करने लगेंगे।

आप एक महत्वाकांक्षी महिला होंगी और दूसरों पर शासन करने की आपकी सहज इच्छा रहेगी। गुरु ग्रह के प्रभाववश आपकी विचारधारा धार्मिक रहेगी तथा विद्या, अध्ययन, अध्यापन, बौद्धिक स्तर के कार्य तथा धर्म-कर्म के क्षेत्र में आपको अच्छी उपलब्धियाँ एवं ख्याति प्राप्त होगी। मानसिक रूप से आप काफी संतुलित एवं विकसित महिला होंगी तथा किसी भी विषय को समझने की आप में विशेष क्षमता रहेगी। तर्क एवं ज्ञान शक्ति आपकी अच्छी रहेगी। आप मन से किसी का भी अहित नहीं करेंगी और दूसरों की भलाई करने में भी अपना समय देती रहेंगी।

दान-पुण्य के कार्य भी आप काफी करेंगी। सामाजिक स्थिति आपकी काफी अच्छी रहेगी। समाज में आप अग्रणी एवं मुखिया पद का निर्वहन करना अधिक पसन्द करेंगी। दूसरों को सच्ची सलाह देना आप अपना धर्म समझेंगी। स्वभाव से आप शान्त, कोमल हृदय, मृदुवाणी एवं सत्यवक्ता होंगी। सत्य के मार्ग पर आप चलते हुये कष्टों को भी सहन करेंगी एवं अन्त में विजयश्री को प्राप्त करेंगी। स्वास्थ्य आपका साधारणतः अनुकूल ही रहेगा। लेकिन कभी-कभी मंदाग्नि, जठराग्नि, उदर विकार इत्यादि रोगों का सामना करना पड़ेगा।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाली महिला के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगी। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगी।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगी। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगी। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगी और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगी जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता रहे और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

आपका मूलांक 3 है तथा आपका भाग्यांक भी 3 है। मूलांक एवं भाग्यांक 3 का स्वामी गुरु है। मूलांक एवं भाग्यांक एक ही होने से आपके अंदर गुरु ग्रह के प्रभाव द्विगुणित हो जाएंगे एवं मूलांक तथा भाग्यांक का पूर्ण फल आपको प्राप्त होगा। आप अपने रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में अपनी प्रमुखता स्थापित करेंगी एवं अधिनस्थों से कार्य निकलवाने

में निपुण रहेंगी। अपने जीवन में आप काफी धन-संपत्ति एकत्रित करेंगी तथा भूमि, वाहन का अच्छा सुख प्राप्त करेंगी। रोजगार-व्यापार के क्षेत्र में आप एक ईमानदार व्यक्ति की हैसियत बनाएंगी एवं सत्य के मार्ग पर चलेंगी। इस कारण थोड़े बहुत कष्टों का भी आपको सामना करना पड़ेगा, लेकिन अंत में सफलता प्राप्त करेंगी। आप ऐसे ही रोजगार का चुनाव करेंगी, जिसमें आपकी प्रमुखता रहे एवं लोग आपकी बात को मानें। आपकी सामाजिक स्थिति उच्च कोटि की रहेगी तथा लोग आपको भरपूर मान-सम्मान प्रदान करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगी।

आपका भाग्योदय 21 वर्ष की आयु से प्रारंभ होगा, 30 वें वर्ष पर उन्नति प्राप्त होगी तथा 39 वें वर्ष की अवस्था पर पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है तथा भाग्यांक 3 की मित्रता 6 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 6, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन में कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपका मूलांक-भाग्यांक एक ही होने से मूलांक-भाग्यांक के फलों में द्विगुणित वृद्धि होगी। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों, मास, ईस्वी सन्, या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास, वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगी, तो पाएंगी कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक से भी मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Shreya

3+5+2+5+1+1

नाम का योग : 17 नामांक : 8

आपके नाम का कुल योग सत्रह है। एक एवं सात के योग से आपका नामांक आठ बनता है। नामांक आठ का स्वामी शनि, अंक एक का स्वामी सूर्य एवं सात का नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों के गुण-अवगुण आपके नाम को प्रभावित करते रहेंगे। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेगा। जिसे आप मेहनत व धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी। निराशा एवं आलस्य दोनों आपकी प्रगति में बाधा देंगे। निराशा तथा आलस्य को दूर करने पर सफलता मिलेगी। उच्चवर्ग में आप लोकप्रिय होकर लाभ प्राप्त करेंगी। आपके अन्दर हठ की प्रवृत्ति आपको हानि पहुँचायेगी। हठी स्वभाव पर सन्तुलन रखें। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि प्राप्त करेगा। आपके नाम की ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिए उदाहरण का कार्य करेगी।

आपके नाम का नामांक 8 है। आपके नामांक के आपके मूलांक 3 से शत्रु संबंध है एवं भाग्यांक 3 से भी शत्रु संबंध होने के कारण आपको मूलांक एवं भाग्यांक के शुभ फलों को प्राप्त करने में काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। आपका नाम समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपकी महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप सफलता प्राप्त करने में असमर्थ रहेगा। कभी-कभी आपको जीवन के विभिन्न मोड़ों पर अपयश का सामना भी करना पड़ेगा। अतः आपके लिए आपके नाम में परिवर्तन करना आवश्यक हो जाता है। इस हेतु आपको चाहिए कि आप अपने नाम के अक्षरों में इस प्रकार से परिवर्तन करें कि आपका नाम बिगड़े भी नहीं और मूलांक तथा भाग्यांक के साथ सही तालमेल स्थापित हो जाए।

अपने नाम का अच्छा फल पाने के लिए आपको अपने नाम में परिवर्तन करना लाभप्रद रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव कीजिये जोकि आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से ही मिलान करे तथा उसका नामांक 3 आता हो और 4 न हो तो ऐसा नाम आपकी रुकी हुई प्रगति के द्वार खोलेगा तथा आप पूर्ण रूपेण सांसारिक सफलताएं अर्जित करेंगी। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,9 अंक शुभ रहेंगे तथा 8 अंक अहितकर होंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा

नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटाना:-	GANESHA $3+1+5+5+3+5+1=23=5$	GANESH $3+1+5+5+3+5=22=4$
एक अंक :-	RAM $2+1+4=7$	RAMA $2+1+4+1=8$
दो अंक :-	BINDRA $2+1+5+4+2+1=15=6$	BRINDRA $2+2+1+5+4+2+1=17=8$
तीन अंक :-	RAMCHAND $2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$	RAMCHANDRA $2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=2$
चार अंक :-	KRISHNA $2+2+1+3+5+5+1=19=1$	KRESHNA $2+2+5+3+5+5+1=23=5$
पाँच अंक :-	TEWARI $4+5+6+1+2+1=19=1$	TIWARI $4+1+6+1+2+1=15=6$
छः अंक :-	AGGARWAL $1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$	AGARWAL $1+3+1+2+6+1+3=17=8$

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

सूर्य 21 नवंबर से 20 दिसंबर तक धनु राशि में एवं 19 फरवरी से 20 मार्च तक मीन राशि में तथा 21 जून से 20 जुलाई तक कर्क राशि में पाश्चात्य मत से रहता है। भारतीय मत से यह 15 दिसंबर से 13 जनवरी तक धनु में एवं 14 मार्च से 12 अप्रैल तक मीन राशि में तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक कर्क राशि में रहता है। धनु एवं मीन राशियां गुरु का स्वस्थान अथवा अपना घर है। कर्क राशि गुरु का उच्च स्थान है। अतः उपर्युक्त समय में मूलांक तीन प्रभावियों के लिए सबसे अधिक प्रभावकारी एवं लाभप्रद समय रहता है। इस काल में कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य इत्यादि करना आपके लिए विशेष योगकारक रहेगा।

अनुकूल दिवस

गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार के दिन आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगे। यदि आपकी अनुकूल तारीखों में से ही किसी तारीख को गुरुवार, शुक्रवार, मंगलवार पड़ रहा हो तो ऐसा दिन आपके लिए अधिक अनुकूल तथा श्रेष्ठ फलदायक होगा।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह की 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखें किसी भी नये कार्य को प्रारंभ करने, महत्वपूर्ण या विशिष्ट व्यक्तियों से मिलने, पत्र इत्यादि लिखने हेतु शुभ रहेंगी। अतः यदि आप उपर्युक्त तारीखों में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य करती हैं तो शीघ्र सफलता मिलेगी।

अशुभ तारीखें

आपको किसी भी अंग्रेजी माह की 4, 8, 13, 17, 22, 26 एवं 31 तारीखें प्रतिकूल हो सकती हैं। अतः कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उपर्युक्त तारीखों में संपन्न करना आपके लिए अहितकर रहेगा।

मित्रता या साझेदारी

आप ऐसे व्यक्तियों से मित्रता या साझेदारी स्थापित करें, जिनका जन्म 3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 एवं 30 तारीखों में, अथवा 15 दिसंबर से 13 जनवरी, 13 मार्च से 13 अप्रैल एवं 16 जुलाई से 16 अगस्त के बीच हुआ हो। ऐसे व्यक्ति आपके लिए अनुकूल सहयोगी तथा विश्वासपात्र सिद्ध होंगे। इस प्रकार के व्यक्तियों से आपकी मित्रता स्थायी एवं दीर्घ रहेगी तथा वे रोजगार, व्यवसाय, साझेदारी आदि में सहायक रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

आपको विवाह या प्रेम संबंध स्थापित करते समय यह देखना लाभप्रद रहेगा कि उस महिला का मूलांक 3, 6 या 9 हो अथवा ऐसी महिला का जन्म किसी भी अंग्रेजी मास की

3, 6, 9, 12, 15, 18, 21, 24, 27 या 30 तारीख को हुआ हो। इन दिनांकों में जन्मी स्त्रियां आपके लिए विशेष फलदायी और अच्छा साथ निभाने वाली रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके लिए अनुकूल रंग हल्का गुलाबी, चमकीला गुलाबी है। गुलाबी भी पूरा गुलाबी नहीं, बल्कि हल्का गुलाबी होना चाहिए। अतः आप ड्रॉइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग के लें। हो सके तो इस रंग का रुमाल तो हर समय रखें। स्वास्थ्य की क्षीणता के समय भी आप हो सके तो इसी रंग के वस्त्र पहनें, जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए ऐसे मकान में रहना शुभ रहेगा जिसका मूलांक या नामांक 3 हो। ईशान कोण दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। अतः आप शहर की ईशान कोण दिशा में अपना निवास बना सकते हैं। इस दिशा में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य करना शुभ रहेगा। पहनने के वस्त्रों का चुनाव करते समय भूरा, पीला, सुनहरी रंगों के होने से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा और यदि आप दीवारें, पर्दे, फर्नीचर का रंग भी ऐसा ही रखें तो आपके पारिवारिक वातावरण में खुशहाली आएगी।

शुभ वाहन नं

अगर आप यात्रा के दौरान कमरा इत्यादि बुक करवाते हैं, तो आपको चाहिए की कमरे का नंबर आपके मूलांक या मूलांक के मित्र अंक से मेल करने वाले अंकों का रहे। आपका मूलांक 3 है। मूलांक के मित्र अंक 6, 9 रहेंगे। आपके कमरे का नंबर 102 = 3 इत्यादि होना चाहिए और यदि आप वाहन आदि का पंजीकरण इत्यादि करवाते हैं, तब उसके लिए भी शुभ अंक 5232 = 3 रहेंगे। आपके लिए यही अंक यात्रा के वाहन के रहेंगे, तो आपकी यात्रा सुखमय कहलाएगी।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आएगी तब आपको चर्म रोग, दाद, खाज, खुजली, प्रमेह, ज़हरवाद, पित्त प्रकोप, शूल रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक उद्वेग, गुप्तेन्द्रिय शैथिल्य, भोग के प्रति अरुचि, रक्त दोष जैसे रोग होंगे। रोग अशुभता कष्ट और विपत्ति के समय आपको विष्णु उपासना, पूर्णिमा व्रत, सत्यनारायण व्रत कथा श्रवण करना चाहिए।

व्यवसाय

वस्त्र उद्योग, ढाबे, रेस्टोरेंट, होटल, पान की दुकान, अध्यापन, उपदेशक, व्याख्याता, प्राध्यापक, राजदूत, मंत्री, कानून के सलाहकार, वकील, न्यायाधीश, सचिव, दूत कार्य, क्लर्क, चिकित्सा कार्य, बैंकिंग के कार्य, दलाल, आदत, विज्ञापनकर्ता, अभिनेता, सेल्समैन, टाइपिस्ट, स्टेनो, जल जहाज में कार्यकर्ता, पुलिस विभाग, दर्शनशास्त्री, प्रबंधक एवं जलीय व्यापार।

व्रतोपवास

बृहस्पतिवार को बृहस्पति अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। बृहस्पतिवार को पीले वस्त्र धारण कर व्रत करें। पीला भोजन ग्रहण करें एवं पीले पदार्थों का दान करें। यह व्रत तीन वर्ष, एक वर्ष या सोलह बृहस्पतिवारों को करें। यथाशक्ति पुत्रजीवी की माला पर गुरु मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

पुखराज आपके लिए मुख्य रत्न है। यदि पुखराज न मिले तब आप सुनेला, टाईगर आई, पीला हकीक धारण कर सकते हैं। इसे आप सोने की अंगूठी में चार से पांच रत्ती का बनवा कर दायें हाथ की तर्जनी उंगली को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बृहस्पति ग्रह की उपासना करें अथवा विष्णु भगवान की आराधना करें। भगवान विष्णु के द्वादशाक्षरी मंत्र "ओम् नमो भगवते वासुदेवाय" का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णमासी के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो इस किया को करने पर आप विभिन्न रोगों और समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान विष्णु के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए गुरु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु गुरु के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

गुरु गायत्री मंत्र - ॐ अंगिरसाय विद्महे दिव्यदेहाय धीमहि तन्नो जीवः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप गुरु का ध्यान करें, मन में गुरु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

देवानां च ऋषीणां च गुरुं कांचनसन्निभम्।
बुद्धिभूतं त्रिलोकेशं तं नमामि बृहस्पतिम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ गुरु को अनुकूल बनाने हेतु गुरु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ आठ माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ग्राँ ग्रीं ग्राँ सः गुरवे नमः ॥ जप संख्या 10000 ॥

वनस्पति धारण

आप गुरुवार के दिन एक इंच लंबी नारंगी या केले की जड़ ला कर, पीले धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या स्वर्ण या पीतल के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे गुरु ग्रह के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक गुरुवार को एक बाल्टी या बर्तन में मुलेठी, सफेद सरसों तथा मालती के फूल आदि औषधियों का चूर्ण कर पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ गुरु के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध इन सबको मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

गुरु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को गुरु के पदार्थ, पीला वस्त्र, सोना, हल्दी, घृत, पीले पुष्प, पीला अन्न, पुखराज, अश्व, पुस्तक, मधु, लवण, शर्करा, भूमि, छत्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

गुरु को अनुकूल बनाये रखने हेतु गुरु यंत्र को भोज पत्र पर अष्ट गंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में गुरुवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।